हरिभूमि

शौर्य भूमि

मंडला| अंजिनया | भुआबिछिया | बम्हनीबंजर | नैनपुर | निवास | बीजाडांडी

5

जबलपुर, रविवार 15 मार्च 2026

login : www.haribhoomi.com

खबर संक्षेप

जिले में मुख्यमंत्री कन्या विवाह/निकाह योजना के तहत चार क्लस्टरों में होंगे सामूहिक विवाह

मण्डला। जिले में वर्ष 2026-27 के लिए मुख्यमंत्री कन्या विवाह/निकाह योजना के अंतर्गत सामूहिक विवाह कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग के निर्देशानुसार जिले में चार क्लस्टर बनाकर पात्र कन्याओं के विवाह संपन्न कराए जाएंगे। जिला प्रशासन से प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रथम क्लस्टर में जनपद पंचायत मंडला के साथ नगर पालिका मंडला और जनपद पंचायत मोहगांव शामिल होंगे। द्वितीय क्लस्टर में जनपद पंचायत नैनपुर, नगर पालिका परिषद नैनपुर तथा नगर पंचायत बम्हनीबंजर शामिल हैं। तृतीय क्लस्टर में जनपद पंचायत बिछिया के साथ जनपद पंचायत मवई, नगर पालिका परिषद बिछिया तथा जनपद पंचायत घुघरी को शामिल किया गया है। वहीं चतुर्थ क्लस्टर में जनपद पंचायत निवास, नगर पंचायत निवास, जनपद पंचायत बीजाडांडी तथा जनपद पंचायत नारायणगंज शामिल रहेंगे। योजना के तहत प्रत्येक क्लस्टर में 200 पात्र कन्याओं का सामूहिक विवाह कराया जाएगा। इस प्रकार जिले में कुल 800 जोड़ों को योजना का लाभ मिलेगा। जिला स्तर पर कार्यक्रम के सफल संचालन के लिए मंडला, नैनपुर, बिछिया, निवास और घुघरी में अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) को नोडल अधिकारी बनाया गया है। साथ ही मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत, मुख्य नगर पालिका अधिकारी तथा संबंधित अधिकारियों को सहायक नोडल अधिकारी की जिम्मेदारी दी गई है। विभाग ने पात्र परिवारों से अपील की है कि योजना का लाभ लेने के लिए समय पर आवेदन करें। इच्छुक परिवार संबंधित जनपद पंचायत, नगरीय निकाय या सामाजिक न्याय विभाग से संपर्क कर निर्धारित तिथि और स्थान के अनुसार आयोजित सामूहिक विवाह कार्यक्रम में शामिल हो सकते हैं।

जल्दी रेत पहुंचाने पर मिलता चालकों को विशेष ईनाम

बेलगाम भागते रेत के डंपर लोगों की ले रहे जान

*** निरंकुश ठेकेदारों पर क्या शासन-प्रशासन लगायेगा नकेल।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला

नियम कानून की यदि धज्जियां उड़ती देखना हो तो आप मंडला आइए यहां देखिए किस तरह नर्मदा तट पर प्रतिबंध के बावजूद धड़ल्ले के साथ शराब का विक्रय एवं परिवहन गली-गली हो रहा है किस तरह से इस पवित्र नगरी में खुले में मांस एवं मछली का विक्रय हो रहा है किस तरह से इस माहिष्मती नगरी में जिसे माँ नर्मदा का विशेष आशीर्वाद मिला हुआ है वहां कैसे माँ नर्मदा की धारा प्रवाह को रोक दिया जाता है कैसे माँ नर्मदा के जल के अंदर बड़ी-बड़ी मशीनों के माध्यम से रेत निकाली जा रही है कैसे माँ नर्मदा के जल में सैकड़ो ट्रॉली मिट्टी मुर्रम डालकर उस पर से बड़े-बड़े वाहन धमा चौकड़ी मचा रहे हैं और यह सब उस सरकार के राज्य में हो रहा है जो अपने आप को नर्मदा भक्त होने का दावा करती है उस प्रशासन की नाक के नीचे हो रहा है जो महीने में 10 बार माँ नर्मदा की पंचचौकी आरती में जाकर नतमस्तक होता है।

एक समय वह भी प्रशासन था जिसने इन रेत के डंपरों पर प्रतिबंध लगाया हुआ था किसी भी स्थिति में रेत के खाली या भरे डंपर शहर की सीमा में प्रवेश नहीं कर पाते थे और तो और उनके द्वारा डंपर के माध्यम से रेत के परिवहन को भी बंद कर दिया गया था लेकिन आज का प्रशासन इसका उल्टा कर रहा है आज ट्रैक्टर ट्रालियां तो पकड़ ली जाती है लेकिन डंपर को छूने की भी हिम्मत किसी अधिकारी की नहीं हो पा रही है।

रेत ठेकेदार द्वारा उन चालकों को विशेष रूप से नगद इनाम दिया जाता है जो एक दिन में ज्यादा से ज्यादा रेत परिवहन करता है और इसी इनाम के लालच में उक्त डंपर का चालक लगातार रेत परिवहन करने में लग जाता है और इस दौरान ना तो वह पूरी तरह सो पाता है और ना ही उसकी नींद पूरी हो पाती है यही कारण है कि अधूरी नींद के चलते डंपर की गति अनियंत्रित हो जाती है और दुर्घटना का कारण बनती है जब तक रेत डंपर में लोड हो रही होती है तब तक यह डंपर का चालक शराब का मजा लेते रहते हैं और यह शराब भी रेत के ठेकेदारों द्वारा खदान स्थल पर इन्हें उपलब्ध कराई जाती है और शराब के नशे में चालक जब डंपर की स्टेरिंग संभाल लेता है तो फिर उसे किसी का डर नहीं होता सड़क पर चलने वाले उसे कीड़े मकोड़े की तरह नजर आते हैं और यही कारण है की दुर्घटनाएं हो रही है।

इन्हें कोई फर्क नहीं पड़ता कि किसी के घर का चिराग बुझ गया, किसी के पूरे जीवन की खुशी छीन गई, किसी की जिंदगी भर के सपने टूट गए, किसी की गोद सूनी हो गई। इन्हें तो अपने व्यापार और अपने पैसे से ही मतलब है।

यह बात सही है कि प्रत्यक्ष रूप से इन दुर्घटनाओं में वाहन मालिक एवं रेत ठेकेदार की कोई गलती नहीं लेकिन अप्रत्यक्ष रूप से यह दोनों ज्यादा जिम्मेदार हैं यदि डंपर का मालिक चालक को हिदायत देकर रखता कि ज्यादा गति से डंपर नहीं चलाना है गति नियंत्रित रखना है समय पर परिवहन करके आराम करना है।

आज के समय में जबकि जीपीएस सिस्टम एवं दूसरी तकनीक है जिसके माध्यम से पूरे समय हम अपने वाहन की जानकारी प्राप्त कर सकते हैं कि हमारा वाहन किस समय कहां पर है और किस स्थिति में है चालक से बात भी हर समय की जा सकती है यदि लगातार मालिक इनके संपर्क में रहते और इन्हें हिदायत देते रहते तो ऐसी दुर्घटनाओं को रोका जा सकता है।

रेत से भरे इन डंपरों की ना तो रॉयल्टी चेक की जाती है और ना ही इन वाहनों के कागजात देखे जाते हैं एक ओर तो परिवहन विभाग के कथित अधिकारी कर्मचारी मंडला जबलपुर हाईवे में चोरों की तरह छुपकर ट्रक चालकों को अपना शिकार बना रहे हैं वहीं इसी हाईवे से जब रेत के भरे डंपर निकलते हैं तो कभी भी इन्हें रोक कर यह नहीं देखा जाता कि इन वाहनों का बीमा है कि नहीं, इनका फिटनेस है कि नहीं, इनको पर्यावरण की अनुमति है कि नहीं, इनमें नंबर प्लेट लगी है कि नहीं, रेत परिवहन की जा रही है इसकी रायल्टी है कि नहीं और है तो कितनी अवधी की है।

इसके साथ ही यह कोई बताने वाला नहीं कि गीली रेत परिवहन की आखिर इन्हें अनुमति किसके द्वारा दी गई है रेत से भरे डंपर जब सड़क पर चलते हैं तो इतनी मात्रा में पानी गिर रहा होता है कि सड़क गीली हो जाती है ऐसे में पीछे चल रहे वाहन के फिसलने का खतरा बढ़ जाता है लेकिन इन खतरों से प्रशासन को क्या लेना देना इन्हें तो नर्मदा भक्ति की आड़ में लक्ष्मी की पूजा करना है और यह काम इन्हें ज्यादा भा रहा है लेकिन जिस दिन भी नर्मदा जी की दृष्टि वक्र हुई उस दिन फिर ना तो लक्ष्मी की कृपा रहेगी और ना ही भोलेनाथ इन्हें बचाने वाले हैं।

एस.टी. आरक्षण को ले कर विमुक्त घुमंतु समाजों की बैठक सम्पन्न

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला/भुआबिछिया

जिले की तहसील बिछिया के सरस्वती शिशु मंदिर हाल में ST आरक्षण को ले कर विमुक्त घुमंतू जनजाति संगठन की बैठक आयोजित की गई बैठक में संगठन के प्रदेशाध्यक्ष एवं पूर्व मंत्री नारायण सिंह बंजारा के मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे।उपस्थित सामाजिक प्रतिनिधियों ने ST आरक्षण को ले कर अपने अपने सुझाव विस्तार से रखे।बैठक प्रभारी ईश्वर सिंह पवार जिलाध्यक्ष अनूपपुर,सह प्रभारी जीवन सिंह बंजारा जिलाध्यक्ष डिंडोरी, मंडला जिलाध्यक्ष एवं जनपद सदस्य अनंत सिंह राठौर, वरिष्ठ गोपी चौहान बिछिया, टेम सिंह बंजारा बंजारा समाज अध्यक्ष बिछिया, जोगी समाज प्रदेशाध्यक्ष संतोष सोलंकी, छिंदवाड़ा जिलाध्यक्ष राजेंद्र राठौर, तुल्सिंग बंजारा कवर्धा छत्तीसगढ़ ने अपने संबोधन में घुमंतू समाज की वर्तमान दिशा एवं दशा,सामाजिक इतिहास के बारे में सबने विस्तार से बात रखी।

प्रदेशाध्यक्ष नारायण सिंह बंजारा ने प्रदेश स्तर में संगठन द्वारा पारित प्रस्ताव रखा जिसमें निम्नानुसार सर्व सहमति से निर्णय लिये गए:-

(1) विमुक्त घुमंतू जनजातियों को भारत के विभिन्न प्रांतों में st,sc,obc,dnt vjnt के रूप विभाजित कर हमें बांटने का काम किया है जबकि यह समाज st आरक्षण का अधिकार रखती है हमें भी अनुसूचित जनजाति में शामिल किया जाए।

(2) पूर्व मुख्यमंत्री एवं केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा विमुक्त घुमंतू संगठन द्वारा 2008 से निरंतर चली आ रही मांग,निरंतर न्याय यात्रा के माध्यम से जिले जिले तहसील तहसील स्तर पर ,विभिन्न शासकीय कार्यक्रमों में ST में शामिल करने की मांग का ज्ञापन दिए जाने को देखते हुए वर्ष 2013 एवं 2016 में घोषणा किए कि समस्त विमुक्त घुमंतू जनजातियों को अनुसूचित जनजाति में शामिल किया जाएगा।आज तक सरकार ने कोइ ठोस कार्यवाही नहीं गई।

(3) निर्णय लिया गया कि आगामी दिनों विमुक्त घुमंतू की समस्त 51 जातियां एक साथ एकजुट हो कर भोपाल में लाखों की संख्या में उपस्थित हो कर जनाक्रोश रैली निकाल कर मुख्यमंत्री आवास,विधानसभा का घेराव कर जेल भरो आंदोलन किया जाएगा।

(4) अनुसूचित जनजाति में समस्त घुमंतू की 51 जातियों को शामिल करने हेतु संविधानिक रूप से हाई कोर्ट में याचिका संगठन की ओर से लगाई जाएगी जिसकी न्यायिक सुनवाई जल्द हो इसके लिए विभिन्न राज्यों में ST में शामिल का राजपत्र, दिए गए मांग पत्रों की रिसीव, फोटो, समाचार पत्रों की कटिंग का संकलन किया जा रहा है।

(4) भारत का सर्व प्रथम राज्य जहां विमुक्त घुमंतू जनजातियों के विकास के लिए अलग से मंत्रालय की स्थापना 2011 से की गई है जिसे 15 वर्ष हो गए जिसमें 40 करोड़ से शुरुवात हो कर आज 250 करोड़ का बजट प्रावधान किया गया है परंतु यह 250 करोड़ कहा जाता है कोई अता पता नहीं है इन समाजों को किसी प्रकार का इस बजट से कोई योजना का लाभ नहीं मिल पाया है मांग हे कि इस जारी बजट से घुमंतू जातियों के लिए योजनाएं बना कर जरूरत मंदो को लाभ दिया जाए ताकि इन जातियों आर्थिक, सामाजिक, शैक्षणिक, राजनैतिक क्षेत्र में सर्वांगीण विकास हो सके।

बैठक में राकेश बंजारा ग्वालियर, लखन बंजारा ,राजेंद्र बंजारा डिंडोरी, सेवा सिंग बंजारा, मन मोहन सिंग, कलीराम राठौर, बहन चंद्र लता बंजारा, हेमलता बंजारा, लवकुश राठौर, पुलिसिंग पवार, भूपेंद्र पवार, भागवत प्रसाद गहलोत, फग्गू चौहान, तेज सिंह पवार, मोहन नायक, भाव सिंह पवार, छत्तर बंजारा,गुलाब सिंह चौहान, प्रेम नायक, अशोक नायक, मोनू बंजारा, मिट ठान सोलंकी, सोनू राठौर, हजारी राठौर, हजारी राठौर, मुरारी नायक, रामेश्वर नायक, संतोष पवार सहित सैकड़ों सामाजिक प्रतिनिधि उपस्थित थे। मंच का संचालन श्याम चौहान ने किया एवं आभार गुलाब चौहान जिला सचिव ने किया।

नारायणगंज में सेक्टर स्तरीय प्रशिक्षण संपन्न

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला

मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद और नवांकुर संस्था जन कल्याण सेवा सोसाइटी के संयुक्त तत्वावधान में विकासखंड नारायणगंज में ग्राम विकास प्रस्फुटन समितियों का एक दिवसीय क्षमता वृद्धि प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद विकासखंड समन्वयक संतोष झरिया ने परिषद की संरचना, भूमिका, आयाम एवं समग्र ग्राम की विकास की अवधारणा पर विस्तार से जानकारी दी।

प्रशिक्षण में पधारे अतिथियों का पुष्प गुच्छ से स्वागत किया गया। प्रशिक्षण के दौरान समग्र ग्राम विकास की अवधारणा विषय पर सत्र लिया गया। नवांकुर संस्था जन कल्याण सेवा सोसाइटी बीजेगांव के द्वारा कार्यक्रम का सफल संचालन किया गया। अंत में प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया।

सीईओ जिला पंचायत ने बोर्ड परीक्षा मूल्यांकन केन्द्र का किया निरीक्षण

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला

शासकीय उच्चतर माध्यमिक शाला क्रमांक 2 में हाईस्कूल और हायर सेकेण्डरी परीक्षा की उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन कार्य किया जा रहा है। सीईओ जिला पंचायत श्री शाश्वत सिंह मीना ने मूल्यांकन कार्य का जायजा लिया। उन्होंने केन्द्र में मूल्यांकन कार्य करने वाले शिक्षकों की ड्यूटी, बैठक व्यवस्था, माडल आन्सरशीट, मूल्यांकन कर्त्ताओं के जलपान, स्ट्रांगरूम और सुरक्षा व्यवस्था आदि की जानकारी ली।

इस दौरान जिला शिक्षा अधिकारी श्रीमती मुन्नी वरकड़े ने सीईओ को बताया कि इस मूल्यांकन केन्द्र में दसवीं तथा बारहवीं की उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन कार्य 9 कक्षों में किया जा रहा है। जिले के विद्यालयों से 232 शिक्षक इस कार्य में लगे हुए हैं। अभी तक बारहवीं की 46564 और दसवीं की 55065 उत्तर पुस्तिकाएं मूल्यांकन के लिए माध्यमिक शिक्षा मण्डल द्वारा यहाँ भेजी गई हैं,अभी और कॉपियां आनी शेष हैं। इस दौरान एपीसी श्री मुकेश पाण्डे, बोर्ड परीक्षा प्रभारी महेंद्र श्रीवास एवं संबंधित शिक्षक मौजूद रहे।

16 मार्च को जिला स्तरीय सड़क सुरक्षा समिति की बैठक आयोजित

मण्डला। जिला प्रशासन मण्डला द्वारा सड़क सुरक्षा और यातायात व्यवस्था को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से 16 मार्च 2026 को एक महत्वपूर्ण बैठक बुलाई गई है। यह बैठक जिला योजना भवन में आयोजित की जाएगी। कार्यालय कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी श्री सोमेश मिश्रा द्वारा जारी आदेश के अनुसार, यह बैठक सोमवार को साप्ताहिक समय-सीमा बैठक की समाप्ति के तुरंत बाद शुरू होगी। बैठक की अध्यक्षता वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा की जाएगी, जिसमें जिले की सड़क सुरक्षा से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर विस्तृत चर्चा की जाएगी।

अनदेखी | **स्कूल और आंगनबाड़ी के सामने खतरनाक ढलान।**

छोटे बच्चों की सुरक्षा पर मंडरा रहा खतरा

*** मंडला–डिंडौरी सड़क निर्माण के दौरान बन गया ढलान।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला

मंडला–डिंडौरी मार्ग पर चल रहे सड़क निर्माण कार्य के दौरान रसैयादौना स्थित स्कूल और आंगनबाड़ी केंद्र के सामने बनाया गया ढलान छोटे बच्चों के लिए खतरा बनता नजर आ रहा है। यहां कक्षा पहली से आठवीं तक के छात्र-छात्राएं अध्ययन करते हैं, वहीं आंगनबाड़ी केंद्र में भी छोटे-छोटे बच्चे प्रतिदिन आते-जाते हैं।

जानकारी के अनुसार मण्डला डिंडोरी सड़क निर्माण के कारण सड़क का स्तर पहले से काफी ऊंचा हो गया है। ऐसे में स्कूल और आंगनबाड़ी केंद्र के मुख्य प्रवेश द्वार पर निर्माण एजेंसी द्वारा मुरूम और पत्थर डालकर अस्थायी ढलान बना दिया गया है, ताकि बच्चों का आवागमन हो सके। लेकिन यह ढलान काफी ऊंचा होने के साथ ही पत्थर और मुरूम से बना है, जिससे बच्चों के फिसलने और गिरकर चोटिल होने की आशंका बनी रहती है। कई बार बच्चे इस ढलान पर फिसलकर गिर भी चुके हैं।

हैरान करने वाली बात यह भी है कि सड़क निर्माण के दौरान स्कूल परिसर की बाउंड्री वॉल को भी तोड़ कर छोड़ दिया गया है, जिससे स्कूल की सुरक्षा व्यवस्था पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं।

स्थानीय लोगों और शाला प्रबंधन का कहना है कि उन्हें सड़क निर्माण कार्य से किसी प्रकार की आपत्ति नहीं है, लेकिन स्कूल और आंगनबाड़ी केंद्र के सामने बनाया गया ढलान बच्चों की सुरक्षा को ध्यान में रखकर बनाया जाना चाहिए। वर्तमान स्थिति में यह ढलान बच्चों के लिए असुरक्षित साबित हो रहा है और कभी भी कोई बड़ा हादसा हो सकता है।

शाला प्रबंधन के अनुसार इस समय बच्चों की परीक्षाएं भी चल रही हैं, जिसके कारण सभी विद्यार्थियों का स्कूल आना अनिवार्य है। ऐसे में प्रतिदिन बच्चों को इसी खतरनाक ढलान से होकर गुजरना पड़ रहा है, जिससे अभिभावकों और शिक्षकों में चिंता बनी हुई है।

स्थानीय नागरिकों और शाला प्रबंधन ने सड़क निर्माण एजेंसी और प्रशासन से मांग की है कि स्कूल और आंगनबाड़ी केंद्र के सामने बच्चों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए समतल और सुरक्षित ढलान का निर्माण कराया जाए, ताकि बच्चों को स्कूल आने-जाने में किसी प्रकार की परेशानी या दुर्घटना का खतरा न रहे।

इनका कहना है -

रोड निर्माण कार्य से हमें किसी प्रकार की आपत्ति नहीं है, लेकिन यह आवश्यक है कि स्कूल तक पहुंचने वाला मार्ग व्यवस्थित रूप से बनाया जाए ताकि बच्चों को स्कूल आने-जाने में किसी भी प्रकार की परेशानी न हो। इस संबंध में विभागीय अधिकारियों को मौखिक रूप से अवगत करा दिया गया है।

-श्रीमती नमिता श्रीवास्तव, शिक्षक, शा. मा. वि. रसैयादौना, मण्डला

मुर्दों से भी इनको डर नहीं इनके रास्ते में भी हो रहा भ्रष्टाचार

*** फर्जी बिलों की राशि का हो रहा बंदरबांट।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला

सभी की अंतिम यात्रा इसी रास्ते से गुजरती है इस मार्ग में कोई व्यवधान न हो ये सब की जिम्मेदारी है लेकिन मंडला जनपद की ग्राम पंचायत भपसा में श्मशान तक जाने वाले मार्ग पर 7 लाख रुपए की राशि से स्वीकृत पुलिया कम स्टाफडेम की राशि निकाल ली गई है और लगभग 1 वर्ष हो रहे हैं निर्माण कार्य आज भी अधूरा है जिससे शव यात्रा का सफर घुमावदार हो गया है यहां के पंच अंकित कछवाहा, श्याम सिंगौर एवं ग्रामीणों ने आरोप लगाते हुए बताया कि सरपंच एवं उपसरपंच पतियों की मनमानी के चलते यहां की नाली एवं अधिकांश अन्य निर्माण कर गुणवत्ता विहीन कराई जा रहे हैं। जिसकी शिकायत लगातार उच्चाधिकारियों से की जा रही है लेकिन इस और ध्यान नहीं दिया जा रहा है बताया गया की सरपंच एवं उपसरपंच पतियों के खाते में पंचायत की फर्जी राशि डाली गई है और सारे नियमों को ताक में रखकर फर्जी बिलों से राशि निकाल कर बंदरबांट किया जा रहा है। पंचायत के जिम्मेदारों को किसी जांच का डर नहीं है यहां कागजों में सब खेल खेला जा रहा है ग्रामीणों की तो छोड़िए यहां पंचायत के निर्वाचित पंचों को भी कुछ नहीं बताया जाता पारदर्शिता का अभाव बना हुआ है।शिकायत से हारे थके ग्रामीणों द्वारा अब आज पास के ग्राम हिरदेनगर में एक धार्मिक कार्यक्रम में पधार रहे जिले के प्रभारी मंत्री से आग्रह किया गया है कि थोड़ा देर के लिए आकर हमारे पंचायत के निर्माण कार्यों को भी देख लें तो कृपा होती।

खबर संक्षेप

इस तरह की लापरवाही जन्म देती है घटनाओं को

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। शहर के रेलवे स्टेशन पर रेलयात्री सुविधाएँ मॉगने के हकदार है किन्तु जान जोखिम में डाल उनका ट्रेनो में सफर करने को आतुर रहना उचित नही कहा जा सकता। गौरतलब है कि इन दिनों चुनावी महौल के कारण रेलवे स्टेशन के दोनो प्लेटफार्मो पर रेलयात्री बच्चो, युवाओं, महिलाओं की काफी भीडभाड़ का आलम रहता है, इस दौरान जब भी कोई ट्रेन रूकती है तो उसमें सीट सुरक्षित करने के लिए अधिकतर यात्री अपनी जान की परवाह न कर सीट की जुगाड़ में लग जाते है। हालत यह है कि कभी रूकने के लिए रेंगती ट्रेनो में उनके द्वारा चढ़नें की कोशिश की जाती है। बताया जाता है कि कई रेलयात्री ट्रेनो में सीट सुरक्षित करने के चलते ट्रैक पर खड़े हो जाते है। जब प्लेट फार्म कूद ट्रैक पार करना अपने आम में खतरे से खाली नही रहता, शहरवासियो न रेल पुलिस से गुहार लगायी है कि स्टेशन पर ट्रेनो के आने के समय वह प्लेटफार्मो पर विशेष चौकासी बरते और रेलो में जगह पाने के लिए ट्रैक का इस्तेमाल करने वाले रेलयात्रियो को ट्रैक से हटा प्लेट फार्मो पर ही बैठकर ट्रेनो में चढ़ने की हिदायत दे।

स्वरूचि भोज अब गांवों में भी बना फैशन, लाखों के अन्न की हो रही बरबादी

हरिभूमि न्यूज/ गाडरवारा। कुछ साल पहले तक गांव देहातों मे जिसे गिद्धभोज की संज्ञा देते हुये सुना जाता था वह बफर सिस्टम अब गांवों में भी एक रूप से रिवाज बन चुका है? जो लोग आज हमारे हिन्दू धर्म की परम्परा के अनुसार पंगत से यानि प्रतिभोज कराते है उन्हें लोग हीन भावना से देखने लगे है? यहां तक की गांव कस्बों मे भी स्वरूचि भोजन ने पंगत का स्थान ले लिया है, कहते है कि नकल मे भी अकल की जरूरत होती है, जिसकी हमारे मध्यमवर्गीय समाज मे निहायत कमी नजर आती है? नतीजा यह है कि जिस देश मे करोड़ों लोग दाने- दाने को मोहताज है, उसी देश मे आज के समय में शादियों और इस तरह के अन्य समारोहो मे आयोजित होने वाले बफर यानि स्वरूचिभोज मे लोग बेरहमी से तमाम खाद्य पदार्थ प्लेटों मे भरकर और आधा अधूरा खाकर हजारों रूपये के खाद्य पदार्थ यानि की अन्न देवता की बरबादी कर रहे है। जबकि सही मायने में देखा जावे तो उस भोजन अन्न के लिए आज भी कई परिवार महंगाई के दौर में तरस रहे है? आमतौर पर कुछ समय पहले तक हमारे देश में लोग पंगत मे बैठकर खाने को लोग सम्मान की दृष्टि से देखते थें, मगर अब लोगों ने अपनी फैसन के चलते उसे भूलकर बफर में खड़े होकर खाने को अपना सम्मान समझने लगे है? चाहे धनाढ्य वर्ग हो या मध्यमवर्गीय परिवार इस भोज को उसने अपनाया है और लोगों के सामनें अपनी हैसियत दिखाने के लिए वह तरह तरह के व्यंजन बफर मे रखता है और लोगों के जीभ मे व्यंजन देखकर पानी भर आता है और लोग असत्तपन की हद तक जाकर अपनी प्लेटों मे खाना तो भरपूर रख लेते है पर खा नही पाते और उसे थोड़ी देर बाद पास मे पड़े डिब्बे मे छोड़ देते है

कई किलोमीटर दुर्गम पहाड़ी क्षेत्र में पैदल चलकर जनजातीय बाहुल्य ग्राम बड़ागांव में पहुंची कलेक्टर, जनसंवाद शिविर में सुनी ग्रामीणों की समस्याएं, आमजन की सुविधा के लिये अगले सप्ताह शुरू होगा मार्ग निर्माण कार्य

हरिभूमि न्यूज/ गाडरवारा।

तहसील क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले जंगल क्षेत्र में अनेक इस तरह के गांव है जहां पर वाहन से पहुंचने की बात तो दूर पैदल तक पहुंच पाना मुश्किल होने से नही चूकता है। मगर इन गांवों में जब अधिकारी पहुंचते है तो लोगों के चेहरों पर खुशी दिखाई देने से नही चूकती है। कुछ इसी प्रकार से बीते हुये दिवस समीपस्थ गोटीटोरिया जंगल क्षेत्र के पहुंच बिहीन गांवो में जब जिला कलेक्टर पहुंची तो वहां का महौल अनोखा देखने मिला। बताया जाता है कि दुर्गम पहाड़ी पर स्थित जनपद पंचायत चीचली की ग्राम पंचायत मोहपानी के आदिवासी बाहुल्य ग्राम बड़ागांव में शनिवार को जनसंवाद शिविर का आयोजन किया गया। इस गांव में मुख्य रूप से भारिया जनजाति के नागरिक निवास करते हैं। शिविर का उद्देश्य दूरस्थ क्षेत्र के ग्रामीणों की समस्याओं का मौके पर समाधान करना तथा उन्हें शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ दिलाना है। दुर्गम मार्ग होने के कारण कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह, सीईओ जिला पंचायत गजेन्द्र सिंह नागेश सहित अन्य अधिकारी लगभग12 किमी दूरी पहाड़ों पर पैदल चलकर भारिया जनजातीय बाहुल्य ग्राम बड़ागांव पहुंचकर वहां के निवासियों से सीधे संवाद किया। शिविर में कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने ग्रामीणों से चर्चा कर उनकी समस्याएं सुनीं और संबंधित अधिकारियों को त्वरित निराकरण करने के निर्देश दिए। इस मौके पर कलेक्टर ने कहा कि गांव तक पहुंच मार्ग की समस्या का शीघ्र समाधान किया जाएगा। इस दौरान संबंधित अधिकारी ने अवगत कराया कि आगामी सप्ताह में बड़ागांव तक पहुंच मार्ग के निर्माण का कार्य प्रारंभ किया जा रहा है। कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के लिए महिलाओं को स्वसहायता समूह बनाने के लिए प्रेरित किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि स्वसहायता समूहों के माध्यम से आटा चक्की, मुर्गी पालन, बकरी पालन सहित विभिन्न आर्थिक गतिविधियों से जुड़कर महिलाएं अपनी आय बढ़ा सकती हैं। इसके लिए उन्हें प्रशिक्षण तथा स्वरोजगार के लिए आवश्यक आर्थिक सहायता राशि भी उपलब्ध कराई जाएगी। उन्होंने आगामी 19 मार्च से प्रारंभ होने वाले जल गंगा संवर्धन अभियान के संबंध में ग्रामीणों को जल संरक्षण और संवर्धन का संदेश दिया। कलेक्टर ने कहा कि सामूहिक प्रयासों से जल संरक्षण करने पर गांव में पानी की समस्या का स्थायी समाधान संभव होगा। कलेक्टर ने शिविर में हर घर जल मिशन, स्वास्थ्य, महिला एवं बाल विकास विभाग के पोषण कार्यक्रम, आंगनवाड़ी सेवाएं, स्कूल शिक्षा विभाग, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना, वाटरशेड एवं जल संरक्षण आदि योजनाओं, कार्यक्रमों व गतिविधियों की विस्तार से समीक्षा की गई। जनसंवाद शिविर में विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने ग्रामीणों को शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी गई। वही कृषि विभाग के उप संचालक मोरिस नाथ ने किसानों को विभागीय योजनाओं एवं आवेदन प्रक्रिया के बारे में बताया। उप संचालक पशु चिकित्सा सेवाएं डॉ. सुनील बृजपुरिया ने मुर्गी पालन, बकरी पालन, गौवंशीय पशुपालन सहित पशुपालन विभाग द्वारा संचालित योजनाओं की जानकारी दी। सीएचओ गोटीटोरिया सौम्या ब्रह्माण ने आयुष्मान कार्ड, गर्भवती महिलाओं के पंजीयन, जननी सुरक्षा योजना, टीकाकरण अभियान सहित स्वास्थ्य विभाग की विभिन्न योजनाओं के बारे में अवगत कराया। साथ ही आधार, समग्र आईडी और जाति प्रमाण पत्र से संबंधित प्रक्रियाओं से भी ग्रामीणों को अवगत कराया गया। शासन के आदेश पर आयोजित किये गये इस शिविर में स्वास्थ्य विभाग द्वारा महिलाओं, बुजुर्गों, नागरिकों और बच्चों का मौके पर ही स्वास्थ्य परीक्षण किया। इस दौरान उन्हें स्वास्थ्य संबंधी सलाह और आवश्यक दवाईयां वितरित की गई। कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने ग्राम बड़ागांव के आंगनवाड़ी केन्द्र का भी निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने आंगनवाड़ी में दर्ज बच्चों तथा कुपोषित बच्चों की जानकारी ली और आवश्यक व्यवस्थाओं का जायजा लिया। कलेक्टर को अवगत कराया गया कि गांव में एक बच्चा कुपोषित पाया गया है। कलेक्टर ने तत्काल स्वास्थ्य विभाग के चिकित्सक व सीएचओ को निर्देशित किया कि उक्त बच्चे के घर जाकर उसका स्वास्थ्य परीक्षण करें और आवश्यक कार्यवाही की जाए। इस दौरान कलेक्टर स्वयं सेम बच्चे के अभिभावक को समझाइश देने के उद्देश्य से उनके घर पहुंची। घर पहुंचकर कलेक्टर ने बच्चे के अभिभावक को समझाइश दी कि बच्चे को एनआरसी में भर्ती कराने से उसे उचित उपचार और पोषण मिल सकेगा तथा वह जल्द स्वस्थ हो जाएगा। कलेक्टर की इस समझाइश पर अभिभावक ने बच्चे को एनआरसी में भर्ती कराने के लिए सहमति व्यक्त की गई। इस दौरान कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने प्रधानमंत्री आवास-ग्रामीण और प्रधानमंत्री जनमन आवास योजना के अंतर्गत ग्राम बड़ागांव में निर्मित एवं निर्माणाधीन आवासों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने हितग्राही मोहन भारिया, शंकर भारिया एवं विनोद भारिया के आवासों का अवलोकन किया और निर्माण कार्य की जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान हितग्राही मोहन भारिया का आवास निर्माण कार्य पूर्ण हो चुका है। कलेक्टर ने आवास का अवलोकन करते हुए निर्माण कार्य की सराहना की और हितग्राही से संवाद कर योजना के संबंध में जानकारी ली। वहीं हितग्राही श्री शंकर भारिया, श्री विनोद भारिया एवं एक अन्य हितग्राही के आवासों का निर्माण कार्य प्रगति पर है।

पतरोई जलाने पर अंकुश न लगना बन रहा परेशानी का कारण

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। लगातार बिगड़ रहे पर्यावरण को लेकर न तो प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा ध्यान दिया जा रहा है और न ही आम लोगों द्वारा जिसका परिणाम यह जान पड़ने लगा है कि क्षेत्र की स्थिति एक दिन इस प्रकार से बन जावेगी जिस प्रकार से देश की राजधानी दिल्ली में निर्मित होते हुये देखी जा रही है, क्योंकि इस समय किसानों के खेतों में गन्ना कटाई का कार्य पूर्ण होने के बाद जहां किसानों द्वारा अपने खेतों को खाली करने के लिये खेतों में पड़ी हुई गन्ने की पतरोई को धडल्ले से जलाया जा रहा है, वही दूसरी ओर क्षेत्र की शुगर मिलों में काम करने के लिये बाहर से आये हुये लोगों द्वारा भी अपनी सुविधाओं को ध्यान में रखते हुये गन्ने की फसल को पहले आग के हबाले करते हुये कटाई की जा रही है। इस प्रकार से गन्ने की पटराई को जलाने का परिणाम है कि नगर सहित संपूर्ण क्षेत्र में गन्न की जली हुई पटरोई के कारण दिन भर कालिख उड़ते हुये देखी जा रही है जो लोगों की छतो सहित मुख्य मार्गो पर पड़ी हुई आसानी से देखी जा सकती है। बताया जाता है कि बाहर से आये हुये गन्ना काटने का कार्य करने वाले लोगों द्वारा काटे गये गन्ने से पत्ते हटाने में होने वाली परेशानी से निजात पाने के लिये पहले उसमें आग लगा दी जाती है जिसके चलते सूखे पत्ते जल जाने से गन्ने की कटाई करने में सुविधा होती है, इस प्रकार से अपने स्वार्थो के चलते जहां खुलेआम पर्यावरण से खिलबाड़ की जा रही है। वही दूसरी ओर कुछ किसानों द्वारा भी अपने खेतों को खाली करने की सोच रखते हुये खेतों में पड़ी हुई गन्ने की पतरोई को धडल्ले से जलाया जा रहा है, इस प्रकार से खेतों में पड़ी हुई पतरोई के जलाने पर प्रतिबंध लगना जरूरी हो गया है यदि समय रहते हुये ध्यान नही दिया गया तो हमारा क्षेत्र में दिल्ली के समान बनने में देर नही लगी और लोगों को सांस लेने के लिये शुद्व हवा मिलना मुश्किल हो जावेगा?

नेशनल लोक अदालत में हुआ आपसी सहमति के बीच सैकड़ो प्रकरणों का निपटारा, पर्यावरण की रक्षा का संदेश देते हुये वन विभाग द्वारा पौधों का किया वितरण

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा।

लोगों को आसानी से न्याय उपलब्ध कराने के लिये समय समय पर जिला विधिक सेवा द्वारा लोक अदालतों का आयोजन किया जाता है। इसी के चलते बीते हुये शनिवार को स्थानीय न्यायालय परिसर में नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया गया। जिसका शुभारंभ न्यायाधीश मा. श्रीमति संतोषी वासनिक जिला न्यायाधीश एवं अध्यक्ष तहसील विधिक सेवा समिति के द्वारा सिविल न्यायालय गाडरवारा में गांधी जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलित करते हुये किया गया। इस मौके पर मुख्य रूप से मा. सूरज सिंह राठौड चतुर्थ जिला न्यायाधीश, मा राजेश कुमार तिवारी प्रथम जिला न्यायाधीश, मा. पंकज जायसवाल तृतीय जिला न्यायाधीश, मा. राम प्रकाश अहिरवार षष्ठम जिला न्यायाधीश, मा. अजय सिंह यादव अतिरिक्त व्यवहार न्यायाधीश वर्ग 1, मा सुश्री कृतिका सिंह जे.एम.एफ.सी गाडरवारा, मा. विनय सोनी, अतिरिक्त व्यवहार न्यायाधीश वर्ग-1, मा. यश शर्मा अतिरिक्त व्यवहार न्यायाधीश वर्ग-1 कनिष्ठ खंड गाडरवारा के आलवा अधिवक्ता संघ अध्यक्ष हिमांशु दुबे के आलवा उपाध्यक्ष व सचिव एवं अधिवक्ता बसंत तपा सहित अन्य अधिवक्ता गण एवं बैंको के अधिकारी, विद्युत विभाग से आये हुये अधिकारियों के आलवा नगर पालिका एवं न्यायालय कर्मचारी स्टाप विधिक सेवा से पीएलबी मौजूद रहें। इस दौरान नेशनल लोक अदालत का शुभारंभ करते हुये न्यायाधीशों ने कहा कि नेशनल लोक अदालत का उद्देश्य नागरिकों को त्वरित और सुलभ न्याय प्रदान करना है। इस लोक अदालत में विभिन्न प्रकार के मामलों का निपटारा किया जाएगा, जिनमें दीवानी वाद, वैवाहिक विवाद, मोटर दुर्घटना के मामले, बैंक रिकवरी और चेक बाउंस के मामले शामिल हैं। जिसमें बैंक बिजली विभाग नगर पालिका ने अपने स्टाल लगाए जहा आपसी समझौते के आधार पर लंबित प्रकरणो का निपटारा किया गया। आयोजित हुई लोक अदालत में बनी खंडपीठों द्वारा विभिन्न विभागों में चल रहे प्रकरणों का समझौते के साथ निराकरण किया नेशनल लोक अदालत के दौरान रखे गये प्रकरणों में 203 में से निराकृत प्रकरण 192 जिनकी राशि जमा हुई 72055024 रूपया तथा लाभांवित व्यक्ति 331। इसी प्रकार से प्रिलिटिगेशन विद्युत प्रकरण रखे गये प्रकरण 152 में से निराकृत प्रकरण 152 तथा राशि जमा हुई 1948678 रूपया और लाभांवित होने वाले लोगों की संख्या 152 रही। वही प्रिलिटिगेशन बैंक से संबंधित प्रकरण-रखे गये 5552 में से निराकृत हुये 7 और राशि जमा हुई 678700 रूपया तथा लाभांवित व्यक्ति 7, नगरपालिका सबंधी रखे गये प्रकरण रखे गये प्रकरण जल कर 500 निराकृत प्रकरण 420 जिसमें राशि जमा हुई 650000 लाभांवित व्यक्तियों की संख्या 420 रही। संपत्ति कर के 500 में से निराकृत हुये 452 और राशि जमा हुये 2852086 रूपया वही लाभांवित होने वाले व्यक्तियों की संख्या रही 452। इस तरह आयोजित हुई नेशनल लोक अदालत के दौरान लगाये गये स्टालों पर जहां दिन भर भीड़ का आलम देखने मिला। वही दूसरी ओर समझौता होने वाले प्रकरण से संबंधित लोगो को वन विभाग द्वारा पर्यावरण की रक्षा का संदेश देते हुये विभिन्न प्रकार के पौधों का वितरण किया गया।

अप डाउन संस्कृति पर नहीं लग पा रही रोक, शासन की योजनाएं हो रही फेल, मनमर्जी के मुताबिक संचालित होते है शासकीय कार्यालय...?

हरिभूमि न्यूज/सांईखेड़ा। जहां एक ओर प्रदेश सरकार द्वारा आम लोगों के हितों को ध्यान में रखते हुए योजनाएं बनाकर आमजन तक पहुंचाने के लिए शासकीय विभाग बनाये गये है और इन शासकीय कार्यालयों में पदस्थ अधिकारियों व कर्मचारियों के सहयोग से ही लोगों को सरकार की जन कल्याणकारी योजनाओं का लाभ मिलता है, मगर देखा जा रहा है कि शासकीय कार्यालयों में पदस्थ अधिकारियों की उदासीनता कही जावे या फिर उप डाऊन करने की प्रवृति में लिप्त मनमानी के चलते शासन की योजनाओं का जहां समय पर लोगों को लाभ नही मिल पाने की स्थिति में समस्त योजनाएं फेल होते हुए जान पड़ने लगी है? जिसमें प्रमुख रूप से देखा जावे तो ब्लाक मुख्यालय के अंतर्गत जितने भी कार्यालय है उनमें चंद अधिकारियों कर्मचारियों को छोड़ दिया जावे तो अनेक अधिकारी ऐसे है जो अप डाउन संस्कृति को न अपनाये हो...? यहां के अनेक शासकीय कार्यालायो में पदस्थ अधिकारी कर्मचारियों की अप डाऊन संस्कृति के चलते शासन की योजनाए फैल होती जा रही है..? यहां पर अनेक विभाग के कार्यालयों में पदस्थ प्रमुख अधिकारियो से लेकर छोटे छोटे कर्मचारी तक अप डाउन कर रहे है? इतना ही नही यहां के प्रमुख ब्लाक कार्यालय व पुलिस थानों के साथ साथ स्कूलों में पदस्थ प्राचार्य सहित तहसील कार्यालय व अन्य विभागों के अधिकारियों सहित अनेक कार्योलयों में का यह हाल चल रहा है...? और ऐसा कई सालो से चलता आ रहा है कोई कार्यवाही न होने के कारण अधिकारी अपनी मनमानी से कार्य करते आ रहे है? जब मन करंस आ जाते है जब मन करे तब चले जाते है कोई रोकने वाली नही है...? यह बात जरूर है कि यदि ऐसा कोई छोटा कर्मचारी करे तो नोटिस जारी होने लगते हैर। लेकिन जो उस विभाग का मुखिया होता है उस पर कार्यवाही करने वाला कोई नही रहता? लेकिन आज तक कोई भी जिला स्तर के अधिकारी द्वारा इस अप डाउन संस्कृति के रवैया को अपनाने वाले अधिकारियो पर अंकुश नही लगा पा रहे है? जिसके कारण अधिकारियों द्वारा शासन द्वारा शासकीय कार्यालयों का खुलने व बंद होने का जो समय निश्चित किया गया है, उस समय पर न तो वह कार्यालय पहुंच पाते है और न ही लोगों की समस्याओं को सुना जाता है...? जिसके कारण आम जनता की समस्या का हल नही निकलता व शिकायतें दिनों दिन बढ़ती जाती है..? मध्यप्रदेश शासन द्वारा प्रत्येक मंगलवार को शुरू किया गया जनसुनवाई कार्यक्रम भी अधिकारियो को याद नही रहता है? जिसके कारण जनसुनवाई भी नही हो पाती है और उस दिन जनता कार्यालयो के पास अपनी समस्या को लेकर मंगलवार के दिन का इंतजार करती है और अपना अपना काम छोड़ कर जनसुनवाई के निश्चित समय 11 बजे के पहले इन कार्यालयो में आ जाते है और साहब के आने का इंतजार करते रहते है? लेकिन जब उन्हें मालूम चलता है कि साहब अभी आये ही नही है इस स्थिति में क्षेत्र के लोगों को निराशा ही हाथ लगती है? अगर कोई उस कार्यालय में मौके पर उपस्थित किसी चपरासी से पूछे तो वह भी यही कह देता है कि जनसुनवाई का कोई औचित्य नही रह गया है? साहब को सप्ताह के अन्य दिन वैसे ही मंगलवार का रहता है, साहब उसी समय पर आयेगे जिस समय ट्रेन आएगी, साहब भी बेचारे क्या करे वह तो आना चाहते है पर ट्रेन लेट हो जाती है जिस कारण साहब समय पर आफिस नही पहुंच पाते है? जब ट्रेन या फिर अन्य वाहन गाडरवारा आयेगाऔर फिर साहब यहां आवेगे? जिससे कार्य प्रभावित होते है तो होते रहे अब अपने परिवार थोड़ी छोड़ देवे? यह हाल एक ही कार्यालय का नही बल्कि ब्लाक व तहसील स्तर से लेकर शिक्षा विभाग के कार्यालयों में भी देखा जा रहा है? क्षेत्र के लोगों का कहना है कि यदि यहां के शासकीय कार्यालयों का यही हाल रहा तो क्या शासन की योजनाएं वह जनता की समस्याओं का हल हो पायेगा? अगर शासन प्रशासन को शासन की योजनाओ को जन जन तक लाभ पहुंचना है तो सबसे पहले अप डाउन संस्कृति पर रोक लगाना होगा? अगर इस संस्कृति पर रोक लग गई तो आम जनता के काम वाकई में समय सीमा में होने लगेगे, और आम जनता भी राहत की सांसा लेगी, ऐसी शासन प्रशासन से अपेक्षा है।

चीचली क्षेत्र के वीरान इलाकों से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों देर रात तक खुलेआम जाम छलकते हुये देखे जा रहे है जाम

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। समीपस्थ चीचली क्षेत्र में चल रहे शराब के अवैध कारोबार का परिणाम है कि लोगों को गांव गांव जहां खुलेआम मैदानों से लेकर सरकारी भवनों में शराब पीने के अड्डा बनने के कारण अहाते के रूप में दिखाई देने से नही चूक रहे हे। वही दूसरी ओर जहां पूर्व के समय में लोग शराब पीने के लिए ऐसी जगह खोजते थें जहां पर किसी की नजर न पड़े। मगर इस समय तो स्थिति इस प्रकार से देखने मिल रही है कि लोगों द्वारा जहां तहां बैठकर शराब का सेवन करते हुए नशे की हालत में सड़कों पर घूमते हुए आसानी से देख जा राकता है..? इतना ही नही यदि गौर किया जावे तो वर्तमान में अनुमानतः शहर लेकर गांवों के 60 प्रतिशत युवाओं और किशोरो में शराब पीने का शौक ऐसा लगा है कि वे रात को बिना जाम छलकाये रह ही नही पा रहे है, जिसके चलते वे ग्रामीा क्षेत्रों में वीयरवार न होने और अधिकांश स्कूलों से लेकर सरकारी भवनों सहित ढावों में शराब के जाम छलकाने के लिए उपयुक्त जगहों शराब खोरी करने से नही चूक रहे है। वही खुलेआम नगर के पास पास बने हुये ढ़ावों में देर रात तक शराब खोरी होने के नजारे देखने मिल रहे है..? पुलिस की उदासीनता के चलते चीचली क्षेत्र में गांव गांव चल रहे शराब के अवैध कारोबार का परिणाम है कि जहां अपने आपको वीर बनते हुये शांति व्यवस्था को भंग करने के कारण पटरी से उतरती हुई कानून की स्थिति निर्मित होते हुये देखी जा रही है। वही दूसरी ओर चोरी की घटनाये भी आम बात बनने से नही चूक रही है। गौर किया जावे चीचली क्षेत्र में इन दिनों शराब के शौकिनों को बढ रही तादात के चलते नगर के अनेक जगहों में जहां खुलेआम शराब की विक्री होने के साथ साथ यहां पर देर रात तक शराब पीने वालों की

दिल्ली पब्लिक इंटरनेशनल स्कूल गाडरवारा
CBSE बोर्ड आधारित, DPIS Org. नई दिल्ली द्वारा मान्यता प्राप्त
कक्षा नर्सरी से कक्षा आठवीं तक
DPIS
प्रवेश प्रारंभ
विवेकानंद वार्ड, शनि मंदिर के पास, सांईधाम कॉलोनी, गाडरवारा, जिला नरसिंहपुर
Mob. : 903 9230 199, 722 4021 199 Email- dpsgadarwara@gmail.com

नेशनल लोक अदालत: आपसी सामंजस्य से प्रकरणों का हुआ निराकरण

डिंडोरी।

राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली तथा मध्य प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देशन में और प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश तथा अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण शशिकान्ता वैश्य के मार्गदर्शन में 14 मार्च 2026 को नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया गया।लोक अदालत का शुभारंभ प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश तथा अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण शशिकान्ता वैश्य कलेक्टर अंजू पवन भदौरिया तथा अध्यक्ष अधिवक्ता संघ यूके पटेरिया द्वारा मां सरस्वती के छायाचित्र पर माल्यार्पण तथा दीप प्रज्ज्वलन कर किया गया।इस अवसर पर प्रधान जिला न्यायाधीश शशिकान्ता वैश्य ने कहा कि नेशनल लोक अदालत के माध्यम से न्यायालयों में लंबित पारिवारिक विवाद मोटरयान दुर्घटना दावा चैक अनादरण तथा विभिन्न राजीनामा योग्य आपराधिक और दीवानी प्रकरण आपसी समझौते और सुलह के आधार पर निराकृत किए जाते हैं। उन्होंने बताया कि लोक अदालत में बैंकों की ऋण वसूली विद्युत विभाग के बकाया प्रकरण दूरभाष बिल बकाया तथा नगरपालिका के संपत्ति कर और जल कर से संबंधित प्रकरणों का भी उभय पक्षों

की सहमति से निराकरण किया जाता है।

कार्यक्रम में कलेक्टर अंजू पवन भदौरिया ने नेशनल लोक अदालत के आयोजन पर बधाई दी और इसकी सफलता के लिए शुभकामनाएं दीं।शुभारंभ कार्यक्रम में तृतीय जिला न्यायाधीश कमलेश कुमार सोनी द्वितीय जिला न्यायाधीश शिवकुमार कौशल प्रथम जिला न्यायाधीश रविंद्र गुप्ता मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट गिरजेश कुमार सनोडिया न्यायाधीश तथा सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण आशीप कुमार केशरवानी न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी आरपी सिंह न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी कमला उईके न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी उत्कर्ष राज सोनी न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी रिया डहेरिया अध्यक्ष अधिवक्ता संघ यूके पटेरिया अध्यक्ष कर्मचारी संघ भीम प्रकाश रामटेके डिफेंस काउंसिल टीम के अधिवक्ता न्यायालयीन कर्मचारी जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के कर्मचारी पक्षकार विद्युत विभाग नगरपालिका विभाग तथा विभिन्न बैंकों के अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे।जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव आशीप कुमार केशरवानी ने बताया कि लोक अदालत में विभिन्न न्यायालयों में लंबित प्रकरणों में से 259 प्रकरणों का निराकरण किया गया। इन प्रकरणों में कुल 8240455 रुपये का अवार्ड पारित हुआ। प्रिलिटिगेशन प्रकरणों की श्रेणी में 74 प्रकरणों का निराकरण हुआ जिसमें विभागों को 1849579 रुपये की राशि प्राप्त हुई। इस प्रकार लोक अदालत में कुल 10090034 रुपये का अवार्ड पारित किया गया।

खबर संक्षेप

उल्लास नवभारत साक्षरता परीक्षा आयोजित

डिंडोरी। जिले में उल्लास नवभारत साक्षरता कार्यक्रम के अंतर्गत नव साक्षरों की मूलभूत साक्षरता एवं संख्यात्मकता मूल्यांकन परीक्षा का आयोजन किया गया। इस परीक्षा में 15 वर्ष से अधिक आयु के नव साक्षरों ने भाग लिया। राज्य शिक्षा केंद्र द्वारा जिले को 30000 का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। जिले में कुल 1250 परीक्षा केंद्रों पर परीक्षा आयोजित की गई।परीक्षा का संचालन कलेक्टर अंजू पवन भदौरिया के निर्देशन में किया गया। इसी क्रम में जिला परियोजना समन्वयक श्वेता अग्रवाल ने विभिन्न परीक्षा केंद्रों का आकस्मिक निरीक्षण किया।निरीक्षण के दौरान एकीकृत माध्यमिक शाला देवरा मुड़की लुकामपुर और धुर्रा केंद्रों का दौरा किया गया। इस दौरान शौचालय व्यवस्था मध्यान्ह भोजन स्थानीय परीक्षा संचालन एचपीवी टीकाकरण तथा विद्यालय परिसर की साफ सफाई का निरीक्षण किया गया। विद्यालय परिसर में साफ सफाई की व्यवस्था संतोषजनक नहीं मिलने पर नाराजगी व्यक्त की गई और संबंधित जिम्मेदारों को व्यवस्थाओं में सुधार के निर्देश दिए गए।इस अवसर पर जिला साक्षरता सह समन्वयक ब्रम्हानंद झा तथा विकासखंड सह समन्वयक जवाहर ठाकुर भी निरीक्षण के दौरान उपस्थित रहे।

कृषकों को मशरूम उत्पादन का प्रशिक्षण

डिंडोरी। कृषक कल्याण वर्ष 2026 के अंतर्गत जिले में किसानों की आय बढ़ाने तथा कृषि में नवाचार को बढ़ावा देने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। इसी क्रम में उद्योगिनी संस्था और कृषि विभाग के तकनीकी मार्गदर्शन में विकासखंड करंजिया की महिला उद्यमी समूहों को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में पहल की गई है।रामनगर में आयोजित कार्यक्रम के दौरान महिला कृषकों को ओएस्टर मशरूम उत्पादन का प्रशिक्षण दिया गया तथा प्रत्येक कृषक को 3 किलोग्राम मशरूम बीज उपलब्ध कराया गया। इस बीज से प्रत्येक कृषक द्वारा लगभग 25 से 30 बैग तैयार किए गए हैं जिससे उन्हें मशरूम उत्पादन का व्यावहारिक अनुभव प्राप्त हो रहा है।कृषकों को मशरूम बीज 250 रुपये प्रति किलोग्राम की दर से उपलब्ध कराया गया। एक बैग से लगभग तीन बार तक मशरूम की तोड़ाई की जा सकती है। बाजार में ओएस्टर मशरूम की कीमत सामान्यतः 200 से 300 रुपये प्रति किलोग्राम तक मिलती है जिससे किसानों को अतिरिक्त आय प्राप्त होने की संभावना है। मशरूम पोषण की दृष्टि से भी अत्यंत लाभकारी है जिसमें प्रोटीन फाइबर और आवश्यक खनिज तत्व प्रचुर मात्रा में पाए जाते हैं।यह पहल प्रधानमंत्री धन धान्य कृषि योजना तथा कृषक कल्याण वर्ष 2026 के उद्देश्यों के अनुरूप किसानों को आधुनिक और लाभकारी कृषि गतिविधियों से जोड़ने का एक महत्वपूर्ण प्रयास है। जिले में मशरूम उत्पादन को बढ़ावा देना एक नवाचार के रूप में देखा जा रहा है जिससे विशेष रूप से महिला कृषकों को रोजगार और आत्मनिर्भरता के नए अवसर मिल रहे हैं।कृषि विभाग के मार्गदर्शन में इस प्रकार की नई तकनीकों और वैकल्पिक खेती को अपनाकर जिले के कृषक आय बढ़ाने के लक्ष्य की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं और अपने जीवन स्तर में सकारात्मक सुधार ला रहे हैं।

मिशन लाइफ जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

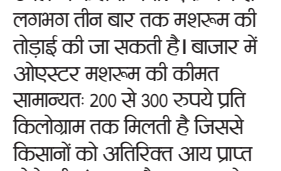

डिंडोरी। भारत सरकार द्वारा ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में कमी लाने तथा पर्यावरण अनुकूल जीवनशैली को बढ़ावा देने के उद्देश्य से संचालित मिशन लाइफ के अंतर्गत राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान के तहत जनपद पंचायत समनापुर की ग्राम पंचायत भाजीटोला और कुकर्रामठ में 14 मार्च 2026 को जन.जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया।कलेक्टर अंजू पवन भदौरिया के निर्देशन और मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत दिव्यांशु चौधरी के मार्गदर्शन में आयोजित इस कार्यक्रम में ग्रामीणों को स्वच्छ पर्यावरण के लिए दैनिक जीवनशैली में सकारात्मक बदलाव अपनाने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम ग्राम पंचायत स्तर पर आयोजित किया गया जिसमें ग्रामवासियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

डिंडोरी में घरेलू एलपीजी सिलेंडरों के व्यावसायिक दुरुपयोग पर कार्रवाई

डिंडोरी ।

खाद्य विभाग की टीम ने जिले में घरेलू उपयोग के एलपीजी सिलेंडरों के व्यावसायिक दुरुपयोग के खिलाफ कार्रवाई करते हुए तीन प्रतिष्ठानों से कुल 10 सिलेंडर जब्त किए हैं।कार्रवाई के दौरान सहायक आपूर्ति अधिकारी शमीम खान तथा कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी आकाश तुरकर ने पुरानी डिंडोरी तिराहा स्थित मां रेवा होटल से 5 घरेलू एलपीजी सिलेंडर जब्त किए। इसी तरह नकुल होटल से 3 तथा बस स्टैंड डिंडोरी स्थित मोले भोजनालय से 2 घरेलू एलपीजी सिलेंडर जब्त किए गए।जांच के दौरान इन सिलेंडरों का व्यावसायिक उपयोग किया जाना पाया गया। मौके पर ही सभी 10 सिलेंडरों को जब्त कर डिंडोरी इंडेन गैस एजेंसी की सुपुर्दगी में दे दिया गया।खाद्य विभाग द्वारा द्रविकृत पेट्रोलियम गैस प्रदाय एवं वितरण विनियम आदेश 2000 के प्रावधानों के उल्लंघन पर संबंधित प्रतिष्ठानों के विरुद्ध प्रकरण तैयार किया गया है। विभाग ने स्पष्ट किया है कि घरेलू गैस सिलेंडरों का व्यावसायिक उपयोग प्रतिबंधित है और इस प्रकार की गतिविधियों के विरुद्ध आगे भी सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

शहपुरा विधायक ओमप्रकाश धुर्वे ने विभिन्न विकास कार्यों का किया भूमिपूजन और लोकार्पण

डिंडोरी।

शहपुरा विधायक ओमप्रकाश धुर्वे के करकमलों द्वारा जनपद पंचायत डिंडोरी क्षेत्र के विभिन्न ग्रामों में विकास कार्यों का भूमिपूजन तथा लोकार्पण संपन्न हुआ जनपद पंचायत डिंडोरी अंतर्गत ग्राम अझवार में 39 लाख रुपये की लागत से बनने वाले शासकीय हायर सेकेंडरी स्कूल में फिजिक्स केमिस्ट्री तथा बायोलॉजी लैब भवन का भूमिपूजन किया गया। इसके साथ ही 3 करोड़ 20 लाख रुपये की लागत से निर्मित शासकीय हायर सेकेंडरी स्कूल भवन का लोकार्पण भी किया गया।इसी क्रम में ग्राम पंचायत बटौंधा में 39 लाख रुपये की लागत से बनने वाले शासकीय हायर सेकेंडरी स्कूल में फिजिक्स केमिस्ट्री तथा बायोलॉजी लैब

भवन का विधिवत भूमिपूजन किया गया। ग्राम पंचायत घुसिया में 10 लाख रुपये की लागत से बनने वाले सीसी रोड का भी विधिवत भूमिपूजन किया गया।कार्यक्रम का शुभारंभ कन्या पूजन तथा मां सरस्वती के तैलचित्र पर माल्यार्पण के साथ किया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने मनमोहक सांस्कृतिक नृत्य प्रस्तुत कर कार्यक्रम को आकर्षक बनाया।कार्यक्रम के दौरान शासन की विभिन्न योजनाओं से वंचित पात्र हितग्राहियों की समस्याएं भी सुनी गईं तथा उनके निराकरण के लिए मौके पर ही संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए गए।इस अवसर पर जिला महामंत्री बद्री प्रसाद साहू मंडल अध्यक्ष शाहपुरा भाजपा के पदाधिकारी तथा कार्यकर्ता और बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे। कार्यक्रम में उपस्थित जनसमूह ने क्षेत्र में हो रहे विकास कार्यों पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए सरकार के प्रति आभार प्रकट किया।

जनगणना 2027 के प्रथम चरण हेतु जिला स्तरीय प्रशिक्षण संपन्न

डिण्डौरी ।

भारत सरकार द्वारा आयोजित जनगणना 2027 के प्रथम चरण के अंतर्गत मकान सूचीकरण तथा मकानों की गणना का कार्य मध्य प्रदेश में 01 मई से 30 मई 2026 के बीच किया जाएगा। इसी क्रम में शनिवार को शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान आईटीआई डिण्डौरी में जिला एवं चार्ज स्तर के अधिकारियों तथा कर्मचारियों के लिए द्वितीय चरण का एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया।प्रशिक्षण कार्यक्रम में भोपाल से आए जनगणना नोडल प्रभारी जयदीप नंदनवार तथा संजय सोनी ने प्रतिभागियों को डिजिटल प्लेटफॉर्म के प्रभावी उपयोग की विस्तृत जानकारी दी। इस दौरान सीएमएमएस पोर्टल तथा एचएलबीसी वेब मैपिंग एप्लीकेशन के संबंध में हैंड्स ऑन प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण में डेटा एंट्री तथा वेब मैपिंग की प्रक्रिया को चरणबद्ध तरीके से समझाते हुए अधिकारियों को व्यावहारिक अभ्यास भी कराया गया।

कार्यक्रम का आयोजन कलेक्टर अंजू भदोरिया के निर्देशन में किया गया। प्रशिक्षण के दौरान अधिकारियों को जनगणना जैसे महत्वपूर्ण कार्य को सफलतापूर्वक संपन्न करने के लिए प्रशिक्षण को गंभीरता से लेने के निर्देश दिए गए। उन्होंने कहा कि डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से डेटा प्रबंधन तथा निगरानी प्रणाली को अधिक सुव्यवस्थित और पारदर्शी बनाया जा सकता है। साथ ही पोर्टल के विभिन्न फीचर्स का व्यवहारिक अभ्यास भी कराया गया ताकि फील्ड में कार्य करते समय किसी प्रकार की त्रुटि न हो।इस अवसर पर अपर कलेक्टर जेपी यादव डिप्टी कलेक्टर वैषनाथ चानिक एसडीएम ऐश्वर्य वर्मा भारती मेरावी रामबाबू देवा डिप्टी कलेक्टर प्रियांशी जैन डिप्टी कलेक्टर डिगरसे सहित जिले के सभी तहसीलदार तथा संबंधित विभागों के अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

न्यायालय की पहल से पति पत्नी के बीच हुआ समझौता सभी प्रकरण समाप्त

डिंडोरी।

घरेलू विवाद के कारण वर्ष 2022 से अलग रह रहे पति पत्नी के बीच चल रहा पारिवारिक विवाद अंततः आपसी सहमति से समाप्त हो गया। दंपति की एक 5 वर्ष की पुत्री है और उसके भविष्य को ध्यान में रखते हुए न्यायालय द्वारा समय समय पर दोनों पक्षों को समझाइश दी जाती रही।जानकारी के अनुसार पत्नी ने वर्ष 2023 में भरण पोषण के लिए न्यायालय में प्रकरण प्रस्तुत किया था। वहीं पति की ओर से तलाक तथा पुत्री की कस्टडी को लेकर भी न्यायालय में वाद दायर किया गया था। इन प्रकरणों की सुनवाई के दौरान न्यायालय तथा दोनों पक्षों के अधिवक्ताओं द्वारा लगातार समझाइश देकर विवाद को आपसी सहमति से सुलझाने का प्रयास किया जाता रहा।अंततः न्यायालय तथा अधिवक्ता गगन प्रकाश शुक्ल के निरंतर प्रयासों से दोनों पक्षों ने आपसी सहमति से राजीनामा कर लिया और न्यायालय में लंबित सभी प्रकरण समाप्त कर दिए।बताया गया कि पुत्री के उज्ज्वल भविष्य को ध्यान में रखते हुए यह समझौता किया गया ताकि उसे माता पिता दोनों का स्नेह तथा मार्गदर्शन मिल सके।

ग्राम बुंदेला में कृषक पाठशाला आयोजित किसानों को आधुनिक कृषि यंत्रों और योजनाओं की दी जानकारी

डिंडोरी।कृषि अभियांत्रिकी विभाग डिंडोरी द्वारा विकासखंड करंजिया के ग्राम बुंदेला में कृषक राम करण सिंह के खेत तथा ग्राम भुसुण्डा में कृषक आनंद कुमार के खेत पर कृषक पाठशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में क्षेत्र के अनेक किसानों ने भाग लेकर आधुनिक कृषि तकनीकों और शासकीय योजनाओं की जानकारी प्राप्त की।कृषक पाठशाला में कृषि अभियांत्रिकी विभाग की उपयंत्री पूनम कोराम ने किसानों को कृषि यंत्रों के उपयोग तथा कृषि यंत्रों पर अनुदान प्राप्त करने के लिए ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया की जानकारी दी। उन्होंने नरवाई प्रबंधन आधुनिक कृषि यंत्रीकरण तथा कस्टम हायरिंग सेंटर की सुविधा के बारे में भी विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि आधुनिक कृषि यंत्रों के उपयोग से खेती के कार्यों में समय श्रम और ईंधन की बचत होती है तथा उत्पादन में वृद्धि संभव होती है। उन्होंने किसानों को खेती में आधुनिक तकनीक और मशीनों को अपनाने के लिए प्रेरित किया।कार्यक्रम में वरिष्ठ कृषि विस्तार अधिकारी शशि मरकाम ने किसानों को विभिन्न शासकीय कृषि योजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना सिंचाई योजनाएं मशरूम उत्पादन के लिए आवेदन प्रक्रिया मृदा परीक्षण के महत्व तथा बलराम तालाब योजना के बारे में विस्तार से बताया और किसानों से इन योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ लेने का आग्रह किया।कार्यक्रम के अंत में कृषि अभियांत्रिकी विभाग द्वारा किसानों से नरवाई नहीं जलाने की अपील की गई तथा फसल अवशेष प्रबंधन के लिए कृषि यंत्रों के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए प्रेरित किया गया ताकि पर्यावरण संरक्षण के साथ मृदा की उर्वरता भी बनी रह सके।इस अवसर पर क्षेत्र के अनेक कृषक उपस्थित रहे और कृषक पाठशाला से लाभान्वित हुए।

महिला स्वच्छता कर्मियों का किया गया सम्मान

शहपुरा

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर नगर परिषद शहपुरा में स्वच्छता विषय पर एक ज्ञानवर्धक कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य महिलाओं में स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा समाज में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित करना था। कार्यशाला में मुख्य वक्ता दमयंती सिंह ने महिलाओं की स्वच्छता के प्रति जिम्मेदारी और समाज में उनकी सक्रिय भूमिका पर विस्तार से अपने विचार व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि घर से लेकर समाज तक स्वच्छता बनाए रखने में

महिलाओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है और उनके सहयोग से ही स्वच्छ स्वस्थ समाज का निर्माण संभव है। इस अवसर पर नगर परिषद द्वारा नगर की महिला स्वच्छता कर्मियों ;स्वच्छता मित्रोंद्ध को उनके उत्कृष्ट कार्यों के लिए प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के अंत में स्वास्थ्य विभाग की टीम द्वारा नगर परिषद परिसर में उपस्थित महिलाओं का स्वच्छता एवं स्वास्थ्य परीक्षण भी किया गया। कार्यक्रम में नगर परिषद अध्यक्ष शालिनी अरुण अग्रवाल ने नगर की नारी शक्ति और स्वच्छता कर्मियों की सराहना करते हुए उनके योगदान को महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि नगर को स्वच्छ और सुंदर बनाए रखने में महिलाओं की भागीदारी प्रेरणादायी है। कार्यक्रम में नगर परिषद उपाध्यक्ष मुकेश साहू पार्षद राजकुमारी रजक मीरा बनवासी मुख्य वक्ता दमयंती सिंह सीएमओ रीना राठौर स्वच्छता ब्रांड एंबेसडर अश्विनी कुमार साहू सीएचओ देवेंद्र साहू डॉ॰ वीरेंद्र पाल अंकिता नगपुरे वंदना कछवाहा मधु तिवारीए राजा चक्रवर्ती सहित नगर की बड़ी संख्या में नारी शक्ति महिला स्वच्छता कर्मी एवं स्वच्छता मित्र उपस्थित रहीं।

हरिभूमि

नर्मदा भूमि

[करेली | तेंदूखेड़ा | श्रीधाम | सालीचौका | सुआतला | गाडरवारा | राजमार्ग | साईंखेड़ा | चीचली | करकबेल]

जबलपुर, रविवार 15 मार्च 2026

login : www.haribhoomi.com

खबर संक्षेप

अंकित शुक्ला बने भारतीय श्रमजीवी पत्रकार महासंघ के जिला मीडिया प्रभारी

गोटेगांव। भारतीय श्रमजीवी पत्रकार महासंघ के अंतर्गत मध्य भारत वर्किंग जर्नलिस्ट यूनियन की नरसिंहपुर इकाई में अंकित शुक्ला को जिला मीडिया प्रभारी नियुक्त किया गया है।

यह नियुक्ति संगठन के जिला अध्यक्ष हेमराज विश्वकर्मा की अनुशंसा पर प्रदेश अध्यक्ष उपेन्द्र गौतम द्वारा की गई है। इसमें प्रदेश सदस्यता प्रभारी राम गोपाल बंसल की भी महत्वपूर्ण भूमिका रही।

संगठन ने विश्वास जताया है कि अंकित शुक्ला अपने दायित्वों का निर्वहन करते हुए संगठन को मजबूत बनाएंगे और श्रमजीवी पत्रकारों के हितों की रक्षा के लिए सक्रिय भूमिका निभाएंगे। उनकी नियुक्ति पर जिले के पत्रकार साथियों और शुभचिंतकों ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उन्हें बधाई दी है।

जिला समन्वय समिति गठित

तेंदूखेड़ा। विगत दिवस गायत्री शक्तिपीठ में जिला समन्वय समिति का गठन किया गया जिसमें सर्व सहमति समाजसेवी रामकुमार ठाकुर को जिला समन्वयक का दायित्व सौंपा गया है। साथ ही महिला जागरण अभियान में श्रीमति जया वर्मा पर्यावरण और जल संरक्षण में संतोष पटेल स्वावलंबन शिक्षण प्रशिक्षण का श्रीकांत गुप्ता तेंदूखेड़ा को दायित्व सौंपा गया है।इस अवसर पर जबलपुर उपजोन से नरेश तिवारी प्रकाश सेन अनंत आचार्य थम्मन शर्मा वृंदावन पटेल अविनाश वेलाकर के साथ साथ जिले के सभी बरिष्ठ परिजनों सहित तहसील समन्वय समिति तेंदूखेड़ा तहसील के सभी गायत्री परिजन उपस्थित रहे ।

किसानों ने कलेक्ट्रेट में अर्धनग्न होकर किया प्रदर्शन

नरसिंहपुर। गत दिवस किसानों द्वारा गन्ने के भुगतान को लेकर कलेक्ट्रेट में अद्धनग्न होकर प्रदर्शन किया। वही उसके बाद महाकौशल शुगर मिल पहुंचकर प्रदर्शन किया गया। किसानों द्वारा बताया गया कि महाकौशल शुगर मिल द्वारा किसानों को गन्ने का भुगतान नही किया जा रहा है जिस कारण से किसानों को अनेकों प्रकार से परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। किसानों का कहना है प्रशासन के आदेशों का शुगर मिल प्रबंधन द्वारा हासिये पर रखा जा रहा है। जबकि प्रशासन के निर्देशानुसार समय सीमा पर भुगतान करने के निर्देश दिए गए थे। प्रशासन की नरमी और महाकौशल शुगर मिल बचई की असंवेदनशीलता-मनमानी गन्ना किसानों को खून के आंसू रूला रही है। भुगतान पर बने संकट को लेकर किसानों को शुक्रवार को पहले कलेक्ट्रेट पार्क में विरोध प्रदर्शन किया। उसके बाद शाम को मिल में प्रदर्शन शुरू कर दिया। जिले में शासन-प्रशासन ने भले ही गन्ना उत्पादक किसानों को समय पर भुगतान करने शुगर मिलों को निर्देश दिए हों लेकिन इन निर्देशों की खुलेआम अनदेखी हो रही है और प्रशासन लाचार बना है। महाकौशल शुगर मिल बचई में गन्ना बेचने वाले किसान अपने बकाया भुगतान की मांग को लेकर कई बार ज्ञापन, आवेदन, धरना प्रदर्शन कर चुके हैं, लेकिन प्रशासन उन्हें भुगतान नहीं दिला पा रहा है। शुक्रवार को बड़ी संख्या में परेशान किसानों ने कलेक्ट्रेट पार्क में एकत्रित होकर अर्धनग्न प्रदर्शन किया, नारेबाजी कर गुस्सा जताया, इसके बाद बचई स्थित मिल परिसर में धरना शुरू कर दिया। किसानों का आरोप है कि मिल से करीब एक हजार किसानों को 137 करोड़ रुपए का भुगतान लेना है लेकिन मिल प्रबंधन किसानों को भुगतान नहीं कर रहा है।

बिना दलाली के नहीं हो रहा कोई भी काम

परिवहन विभाग में पप्पू पवारफुल

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। सरकार द्वारा लोगों को बेतहर सुविधाएं प्रदान कराने के लिए अनेकों योजनाएं संचालित कर रही ही लेकिन प्रशासन के जिम्मेदार अधिकारी सरकार के मंसूबों पर पानी फेरने पर तुले हुए है। ऐसा ही मामला जिला मुख्यालय स्थित परिवहन विभाग से सामने आया जहां पर अधिकारी से ज्यादा चेला पावरफुल बना हुआ है। वैसे तो परिवहन विभाग लंबे समय से बदनाम चला आ रहा है। कि बिना दलालों के कोई कार्य नही होते है। यह बात पूरी तरह सत्य भी साबित हो रही है। परविहन कार्यालय पर जाकर आप देख सकते है कि यहां पर दलालों द्वारा प्रत्येक कार्य की लिस्ट बना रखी काम कोई भी हो आपको दलाल की मदद लेनी पड़ेगी और दलाल की लिस्ट में अधिकारी का भी कमीशन होता है।

मामला इस प्रकार

जिले वासियों को बेहतर परिवहन सुविधाएं दिलाए जाने के लिए परिवहन कार्यालय बनाया गया है लेकिन परिवहन विभाग के अधिकारी की भ्रष्ट कार्यप्रणाली के चलते जनता को लूटकर दलाल माल खा रहे है उसमें अधिकारी का भी पूरा हिस्सा होता है। बताया गया कि परिवहन अधिकारी के साथ पप्पू नाम का व्यक्ति है जो साहब की सेवा मे समर्पित है। साहब के पूर्व दलालों को भी कार्य का अप्रवल पप्पू नाम के व्यक्ति से लेना पड़ता है। वही दूसरा साथी भी साहब का करीबी बताया गया। साहब की पास पहुचाने वाली राशि अपने पास रखता है और सारा हिसाब किताब साहब को देता है। लोगों के बीच यह धारणा बनी हुई है कि कई काम इनके माध्यम से ही आगे बढ़ रहे हैं। हालाँकि इस तरह की चर्चाओं की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई हैं अब देखना होगा कि पप्पू और पटेल राज कब तक चलता है। जबकि जिले मे दो मंत्री है और परिवहन मंत्री का गृह जिला है जब यहां पर स्थिति यह है तो प्रदेश के अन्य जिलों मे क्या होता होगा।

परिवहन अधिकारी की जानकारी में भी भ्रम

बीते दिनों जागरूक नागरिक द्वारा सूचना के अधिकार अधिनियम 2005 के तहत जानकारी मांगी गई कि पूरे जिले मे एक वर्ष में कितनी ट्रेक्टर ट्राली का निमार्ण तथा पंजीयन हुआ अधिकारी द्वारा जानकारी दी गई कि जिले मे मात्र 3 ट्राली बनाई गई जिनका पंजीयन हुआ जबकि टेक्टर ट्राली निर्माता द्वारा अपने ब्यान मे बताया गया कि वह वर्ष में 25 से 30 ट्राली का निर्माण करता है। अब विचारणीय यह है कि परिवहन विभाग द्वारा असत्य जानकारी दी गई या फिर परिवहन विभाग इस ओर ध्यान ही नही देता और ट्राली निर्माता बिना किसी भय व प्रशासनिक रजिस्टेशन के ट्राली का निर्माण कर विक्रय कर दिया जाता है । प्रशासन को चाहिए की परिवहन विभाग एवं टेक्टर ट्राली निर्माताओं की सूची बनाकर क्रमशः जांच पड़ताल कर कार्रवाई करे।

परिवहन विभाग मे दलालों की भूमिका अहम

परिवहन विभाग का किसी भी जिले के लिए सरकारी स्वामित्व वाला विभाग का अहम हिस्सा होता है। ड्राइविंग लाइसेंस जारी करना, वाहन पंजीकरण, दस्तावेज, फिटनेस दस्तावेज और टैक्स से जुड़े कई काम समान रूप से प्रभावित होते हैं। आम तौर पर इन सेवाओं के लिए सरकार ने ऑनलाइन व्यवस्था की और निर्धारित फीस तय कर रैक की व्यवस्था की ताकि लोगों को सीधे और स्थिर तरीके से सुविधा मिल सके। लोगों का कहना है कि व्यवहार में यह प्रक्रिया इतनी सरल नहीं है। कई वाहन चालकों और व्यापारियों का आरोप है कि बिना किसी मध्यस्थ के काम करना मुश्किल हो जाता है। ऐसे में लोग बिचौलिये की मदद लेने के लिए मजबूर हो जाते हैं। यह भी कहा जा रहा है कि अलग-अलग सेवाओं के लिए अलग-अलग तरह की नकदी तय होने की बात कही जाती है। लोगों के बीच यह चर्चा है कि ड्राइविंग लाइसेंस से लेकर अन्य परिवहन संबंधी सामग्री तक एक तरह की रेट लिस्ट चलती है। हालाँकि इन दावों की कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन कई लोगों का अनुभव यह है कि अगर वे सीधे प्रक्रिया अपनाते हैं तो काम में अधिक समय लगता है, जबकि बिचौलिये के माध्यम से काम जल्दी होने की बात कही जाती है। इसी कारण लोग मजबूरी में इस रास्ते को विरोध की कोशिश करते हैं।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित

मातृशक्ति का किया गया सम्मान

नरसिंहपुर। गत दिवस एम.आई.एम.टी. कॉलेज की गर्ल्स विंग इकाई द्वारा अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में समाजसेवी एड. श्रीमती जया शर्मा, डॉ. प्रियंका नेमा, जिला चिकित्सालय नरसिंहपुर, रोटे. श्रीमती सीमा जैन, श्रीमती मनोरमा बघेल, आरआई नरसिंहपुर, निरीक्षक श्रीमती ममता तिवारी, यातायात थाना प्रभारी के आतिथ्य एवं प्राचार्य डॉ. अशोक कुमार गर्ग एवं गर्ल्स विंग इंचार्ज श्रीमती माधुरी पटवा की उपस्थिति में किया गया। श्रीमती जया शर्मा द्वारा समाज में महिलाओं के सशक्तिकरण पर जोर देते हुए उनके अधिकारों तथा महिलाओं की भूमिका की बात पर बल दिया। डॉ. प्रियंका नेमा ने अंतरिक सौन्दर्य, नारी सशक्तिकरण एवं साहस सहित नारीवाद के मूलभूत गुणों के संवर्धन पर प्रकाश डाला। श्रीमती सीमा जैन ने आत्मसम्मान एवं चुनौतियों से निपटने के लिए छात्राओं को प्रेरित किया। प्राचार्य डॉ. अशोक कुमार गर्ग ने उद्बोधन में महिलाओं से अधिकारों के साथ-साथ

कर्तव्यों के प्रति जागरूक होने की अपील करते हुए नारी सशक्तिकरण की उपादेयता पर विस्तार से प्रकाश डाला। श्रीमती मनोरमा बघेल ने विद्यार्थी जीवन में जिज्ञासा के साथ लक्ष्य निर्धारण तथा सुरक्षा की दृष्टि को रेखांकित किया। यातायात थाना प्रभारी श्रीमती ममता तिवारी ने दृढ़संकल्प के साथ आगे बढ़कर लक्ष्य प्राप्त करने की बात पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में श्रीमती माधुरी पटवा एम.आई.एम.टी. गर्ल्स विंग इंचार्ज द्वारा स्वागत भाषण प्रस्तुत किया गया। प्रेरक उद्बोधन में सहायक प्राध्यापक श्रीमती रश्मि दुबे द्वारा नारी सशक्तिकरण पर सारगर्भित उद्बोधन दिया गया। कार्यक्रम का संचालन श्रीमती आराधना दुबे, सुश्री दीक्षा केवट, नंदिनी विश्वकर्मा एवं आभार प्रदर्शन डॉ. दीपिका शर्मा द्वारा किया गया। इसके पूर्व कार्यक्रम का शुभारम्भ दीपप्रज्जवलन एवं सरस्वती वंदना से किया गया। कार्यक्रम दौरान छात्राओं द्वारा मनमोहक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी गई। निर्णायक की भूमिका का निर्वाहन श्रीमती अनुपमा लूनावत, श्रीमती ऋचा पटेल तथा सुश्री कृतिका झारिया द्वारा किया गया। उक्त अवसर पर रोटे. सुनीता राजपूत, रोटे. गीता वेदी, रोटे. साधना राय, रोटे. तनु पालीवाल, शिक्षिका शिखा पटेल, श्रीमती अनिता रघुवंशी, सुश्री विजेता सिधना, सुश्री मानसी जैन, सुश्री प्रावी पटेल, सुश्री खुशबू निशा, श्रीमती अकांक्षा नामदेव, श्रीमती ज्योति पटेल, सुश्री शिवांगी रैकवार, सुश्री राजश्री पटेल, सुश्री शिवानी सिंह, श्रीमती विजेता शर्मा, सुश्री दीक्षा तोमर, सुश्री सपना जाटव, सुश्री कंचन तखरया, श्रीमती प्रियका पाठक, श्रीमती नीरू जोशी, श्रीमती कल्पना यादव, श्रीमती अंजली नेमा, सुश्री यास्मीन कुरैशी, सुश्री मुस्कान वारी सहित समस्त स्टॉफ मेम्बर्स व बड़ी संख्या में छात्राओं की उपस्थिती रही। नेल आर्ट प्रतियोगिता में समीक्षा सोनी प्रथम, अमृता पटेल द्वितीय, अदिति पटेल ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। मेकअप प्रतियोगिता में महक जाट प्रथम, नितिशा श्रीवात्री द्वितीय, पूर्वी अग्रवाल ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। हेयर स्टाइल प्रतियोगिता में निधि सोनी प्रथम, सोनिया खान द्वितीय, रंजना लोधी को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। रैम्प वॉक प्रतियोगिता मे रागिनी त्रिपाठी प्रथम, वेदिका स्थापक ,द्वितीय प्रांजल पटेल को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ।

खुशी का प्रदेश टीम में चयन

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। नगर की बेटी खुशी जाट पिता जितेंद्र जाट, मां संगीता जाट राष्ट्रीय यूथ वॉलीबॉल प्रतियोगिता हेतु मध्य प्रदेश टीम में चयनित, भुवनेश्वर उड़ीसा में आयोजित हो रही राष्ट्रीय प्रतियोगिता में खुशी मध्यप्रदेश टीम का प्रतिनिधित्व करेंगी। नरसिंहपुर वॉलीबाल ग्राउंड पर कोच के मार्गदर्शन में नियमित अभ्यास कर खुशी ने यह मुकाम हासिल किया इससे पूर्व में खुशी जबलपुर विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व भी कर चुकी हैं। जिला वॉलीबाल संघ के संरक्षक जालम सिंह पटैल एवं वॉलीबाल संघ के समस्त पदाधिकारियों एवं जाट युवा मोर्चा ने खुशी के चयन पर हर्ष व्यक्त किया है।

17 को मनाया जावेगा मां कर्मा देवी जयंती महोत्सव

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। नगर साहू समाज एवं साहू महिला मंडल के तत्वाधान में आगामी 17 मार्च मंगलवार को साहूसमाज की आराध्य मां देवी भक्त शिरोमणि मां कर्मा जी की जयंती समारोह का आयोजन धूमधाम से आयोजित किया जाएगा, जयंती समारोह हेतु आयोजन समिति ने संपूर्ण तैयारियां पूर्ण कर ली है, 15 मार्च दिन रविवार को शाम 5 बजे सर्वप्रथम मां कर्माजी की पूजन अर्चन आरतीवंदन पूर्ण विधि विधान से करने के उपरांत प्रसाद वितरण किया जाएगा इसके पश्चात 16 मार्च 2026 को मेहंदी रंगोली पेंटिंग दोपहर 12 बजे से 3 बजे तक फैंसी ड्रेस, डांस प्रतियोगिता, व्यंजन प्रतियोगिता दोपहर 3 बजे से शाम 6 बजे रखी गई है। प्रतियोगिता में भाग लेने वाले प्रतिभागियों को स्वयं की सामग्री लाना अनिवार्य रखा गया है। इस बार साहू समाज द्वारा 17 मार्च दिन मंगलवार को मां कर्मा देवी जन्मजयंती महोत्सव बनाई जायेगी। मंचीय कार्यक्रम किए जाएंगे जिसे लेकर समिति ने संपूर्ण तैयारियां पूर्ण कर ली। साथ ही नगर सहित ग्रामीण क्षेत्रों में आमंत्रण कार्ड एवं निमंत्रण संपूर्ण क्षेत्र साहित ब्लॉक स्तर में साहू समाज की मां कर्मा देवी आयोजन समिति के सदस्यों द्वारा नगर एवं ग्रामीण क्षेत्रों में घरोघर पहुंचकर सह परिवारजनो सहित आमंत्रण पत्रिका दिया जा रहा है, ताकि आगामी मां कर्मा जयंती महोत्सव कार्यक्रम को धूमधाम हर्षोल्लास के साथ धार्मिकमय माहौल में मनाने हेतु विशेष तैयारी की जा रही है।

पुरानी रंजिश के चलते की हत्या, पुलिस ने किया खुलासा

नरसिंहपुर। बीते दिनो थाना क्षेत्र करेली में 25 वर्षीय वंदना ठाकुर की हत्या की गुत्थी पुलिस ने सुलझा ली है। पुलिस अधीक्षक डॉ. ऋषिकेश मीना ने शनिवार को बताया कि इस वारदात को गांव के ही एक युवक ने पुरानी रंजिश के चलते अंजाम दिया था। घटना 10 मार्च की है, जब मृतका के पति पुष्पेंद्र ठाकुर घर लौटे तो उनकी पत्नी गायब थी। काफी तलाश के बाद घर के पास गेहूं के खेत में खून के धब्बे और घसीटने के निशान मिले। आगे देखने पर मेढ़ के पास वंदना का शव बरामद हुआ। आरोपी ने गुमराह करने के लिए महिला का मोबाइल एक चलते ऑटो में फेंक दिया था, ताकि पुलिस लोकेशन को लेकर उलझी रहे। पुलिस ने शक के आधार पर रातिकरार गांव के मो. इरशाद को हिरासत में लेकर पूछताछ की, जिसमें उसने जुर्म कबूल कर लिया। आरोपी ने बताया कि करीब 15 दिन पहले एक सामाजिक पंचायत में वंदना ने उसे कुछ ऐसी बातें कही थीं जो उसे बुरी लग गईं। इसी अपमान का बदला लेने के लिए उसने वंदना को घर में अकेला देख डंडे से वार कर उसकी हत्या कर दी। पुलिस ने आरोपी की निशानदेही पर हत्या में इस्तेमाल किया गया बांस का डंडा, खून से सना कंबल और मोटरसाइकिल बरामद कर ली है। आरोपी को गिरफ्तार कर अदालत के माध्यम से जेल भेज दिया गया है।

अक्षय तृतीया से होगी विवाहों की शुरुआत

तेंदूखेड़ा। भारतीय पंचांग गणना के अनुसार 14 -15 मार्च की दरम्यानी रात में नवग्रहों के राजा सूर्य का मीन राशि में प्रवेश करते ही खरमास प्रारंभ होने से विवाह आदि मांगलिक कार्यों में विराम लग गया है। 14 अप्रैल को मेष की संक्रांति के बाद मांगलिक कार्यों का शुभारंभ होता है। आचार्य प्रमोद पचौरी ने बताया कि इस वर्ष 36 दिनों के विराम के बाद 20 अप्रैल को अक्षय तृतीया के शुभ मुहूर्त में शहनाइयों की गुंज के साथ फिर विवाह कार्यों का शुभारंभ होगा। इस वर्ष ज्येष्ठ का महीना अधिक मास के रूप में रहेगा। सूर्य की संक्रांति से रहित अधिक मास 17 माई से 15 जून तक रहेगा।इसको मलमास और पुरुषोत्तम मास भी कहते हैं।इसमें विवाह आदि मांगलिक कार्यों के लिए मुहूर्त नहीं होते हैं। धार्मिक साधना तीर्थ यात्रा पुराण कथा श्रवण निष्कामअनुष्ठान आदि के लिए यह महीना बहुत ही शुभ माना जाता है।

पुलिया निर्माण से राहगीरों को मिलेगी बड़ी राहत, बारिश में नहीं रुकेगा रास्ता

गोटेगांव। तहसील के श्रीनगर से उमरिया और बुढ़ेना गांव को जोड़ने वाले मार्ग पर राहगीरों की बरसों पुरानी समस्या का समाधान होने जा रहा है। इस मार्ग पर नदियों के ऊपर पुल निर्माण के बाद अब एक नाले पर स्थित पुरानी और नीची पुलिया को हटाकर नई पुलिया का निर्माण कार्य युद्ध स्तर पर शुरू कर दिया गया है।विदित हो कि उक्त रास्ते पर मौजूद पुरानी पुलिया काफी नीचे थी, जिसके कारण बारिश के मौसम में नाले का पानी पुलिया के ऊपर से बहने लगता था। इस वजह से कई दिनों तक गांवों का संपर्क टूट जाता था और राहगीरों को अपनी जान जोखिम में डालकर निकलना पड़ता था या घंटों इंतजार करना पड़ता था।अब इस समस्या को देखते हुए प्रशासन ने नई पुलिया बनाने का निर्णय लिया है। निर्माणाधीन पुलिया की ऊंचाई सड़क मार्ग के बराबर रखी जा रही है, जिससे आगामी वर्षाकाल में जलभराव की स्थिति निर्मित नहीं होगी। कार्य को शीघ्र पूर्ण करने के लिए निर्माण स्थल पर मशीनें और मजदूर जुटे हुए हैं। पुलिया निर्माण के दौरान आवागमन बाधित न हो, इसके लिए बाजू के खेत से अस्थाई रोड बनाकर वाहनों की आवाजाही जारी रखी गई है। पुलिया के बन जाने से श्रीनगर, उमरिया और बुढ़ेना सहित आसपास के दर्जनों गांवों के ग्रामीणों को सुगम और सुरक्षित आवागमन की सुविधा मिलेगी।

ग्राम धरमपुरा भेड़ाघाट में श्रीकृष्ण जन्मोत्सव की धूम

नंद के आनंद भयो, जय कन्हैया लाल की... भजनों से गुंजायमान हुआ कथा पांडाल

पर्यटन नगरी भेड़ाघाट के समीपस्थ ग्राम धरमपुरा में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ के चतुर्थ दिवस पर भगवान श्रीकृष्ण का जन्मोत्सव अत्यंत भव्यता और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कथा के दौरान जैसे ही भगवान कृष्ण का प्राकट्य हुआ, पूरा पांडाल नन्द के आनंद भयो, जय कन्हैया लाल की के जयकारों से गूंज उठा।

कथा प्रसंगः वामन अवतार और कृष्ण जन्म

चतुर्थ दिवस की कथा में कथावाचक पंडित श्री योगेश कृष्ण शास्त्री जी ने भगवान के वामन अवतार की कथा का विस्तार से वर्णन किया। इसके पश्चात, कंस के अत्याचारों और वासुदेव-देवकी के विवाह के प्रसंग को सुनाते हुए भगवान कृष्ण के जन्म की कथा प्रारंभ की गई। जैसे ही रात्रि के 12 बजने का प्रतीकात्मक दृश्य मंच पर

जीवंत हुआ, पांडाल में मौजूद श्रद्धालु भाव-विभोर हो गए।

जन्मोत्सव की भव्यता

प्रतीकात्मक झांकीः नन्हे बालक आद्विक लोधी को कान्हा के स्वरूप में टोकरी में रखकर पांडाल में लाया गया, जिस पर श्रद्धालुओं ने पुष्प वर्षा की।

भजन और नृत्यः ढोल-मजीरों की थाप पर श्रद्धालु जमकर थिरके। विशेष रूप से महिलाओं और बच्चों में भारी उत्साह देखा गया। माखन-मिश्री का भोगः भगवान के जन्म के पश्चात छप्पन भोग अर्पित किए गए और सभी भक्तों को माखन-मिश्री का प्रसाद वितरित किया गया।

श्रद्धालुओं का हुजूम

धर्ममय वातावरण में ग्राम धरमपुरा सहित आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में क्षेत्रीय जन और धर्मप्रेमी शामिल हुए। आयोजक सुखचैन पटेल ने बताया कि दिवंगत पुत्र स्वर्गीय सागर लोधी की पुण्य स्मृति में क्षेत्र की सुख-समृद्धि और शांति के लिए इस कथा का आयोजन किया जा रहा है। आगामी दिनों में गोवर्धन पूजा, छप्पन भोग और रुक्मणी विवाह सुदामा चरित्र जैसे प्रसंगों का वर्णन किया जाएगा।मुख्य यजमानों में शिवांश लोधी, बलराम (बल्लू) लोधी, बंशी लोधी, ग्राम आचार्य प्रयाग दत्त दुबे, आचार्य पंडित रामनारायण उपाध्याय कार्यक्रम को सफल बनाने में पूर्ण सहयोग कर रहे हैं!

नेशनल लोक अदालत में 217 प्रकरणों का हुआ निराकरण

तेंदूखेड़ा। शनिवार को प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश महोदय के निर्देशानुसार एवं सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के मार्गदर्शन में व्यवहार न्यायालय में इस वर्ष की प्रथम राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया गया। जिसका शुभारंभ तहसील विधिक सेवा समिति अध्यक्ष अरविंद मीणा के द्वारा द्वीप प्रज्वलित कर किया गया। अधिवक्ता संघ के अधिवक्तागण सहित नगर परिषद स्टेट बैंक ऑफ इंडिया सोनाटा फाइनेंस बैंक पंजाब नेशनल बैंक म०प्र० ग्रामीण बैंक इत्यादि बैंको के कर्मचारी एवं उन बैंको से संबंधित पक्षकार एवं समस्त न्यायालयीन स्टाफ उपस्थित रहे। नेशनल लोक अदालत में पारिवारिक विवाद सिविल प्रकरण एवं राजीनामा योग्य आपराधिक प्रकरण जल-विद्युत कर आदि से संबंधित प्रकरणो एवं अन्य प्रकरणों का आपसी बातचीत से समझौते के माध्यम से निराकरण किया गया। जिसमें न्यायालय में लंबित प्रकरणों में से 35 प्रकरणों का आपसी सामंजस्य एवं सौहार्द्रपूर्ण समझौते के आधार पर निराकरण किया गया जिसमें 72 व्यक्ति लाभान्वित होकर 395000 रूपये का समझौता एवं कुल प्रीलिटीगेशन के 217 प्रकरण निराकृत हुए जिसमें 1404322 रूपये की राशि का समझौता हुआ जिसमें 217 व्यक्ति लाभान्वित हुए। समझौता के माध्यम से प्रकरणों का निराकरण करने वाले पक्षकारों को आपसी भाईचारे का संकल्प दिलाया जाकर फलदार पौधे भेंट कर नेशनल लोक अदालत के माध्यम से समझौता करने हेतु धन्यवाद आभार प्रकट कर नेशनल लोक अदालत का सफलता पूर्वक समापन किया गया।